Total No. of Questions - 3] [Total Pages : 4

(2022)

9260

M.A. Examination

HINDI

(छायावादी काव्य)

Paper–XI

(Semester–III)

Time : Three Hours] [Max. Marks : { Regular : 80 / Private : 100

परीक्षार्थी अपने उत्तरों को दी गयी उत्तर-पुस्तिका (40 पृष्ठ) तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त पृष्ठ जारी नहीं किया जाएगा।

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। आंतरिक विकल्प दिए गए हैं :

(क) प्रकृति के यौवन का शृंगार करेंगे कभी न बासी फूल,
मिलेंगे वे जाकर अतिशीघ्र आह उत्सुक है उनकी धूल।
पुरातनता का यह निर्मोक सहन करती न प्रकृति पल एक।
नित्य नूतनता का आनंद किए हैं परिवर्तन में टेक।।

अथवा

सुख केवल सुख का वह संग्रह, केंद्रीभूत हुआ इतना,

छाया पथ में नव तुषार का सघन मिलन होता जितना।

सब कुछ में स्वायत्त, विश्व के बल, वैभव, आनंद अपार;

उद्वेलित लहरों का होता, उस समृद्धि का सुख-संचार।

(ख) आज बचपन का कोमलगात

जरा का पीला पात!

चार दिन सुखद चाँदनी रात

और फिर अंधकार अज्ञात!

शिशिर-सा झर नयनों का नीर

झुलस देता गालों के फूल,

प्रणय का चुंबन छोड़ अधीर

अधर जाते अधरों को भूल!

अथवा

हे जगजीवन के कर्णधार! चिर जन्म-मरण के आर-पार,

शाश्वत जीवन-नौका विहार!

मैं भूल गया अस्तित्व ज्ञान, जीवन का यह शाश्वत प्रमाण,

करता मुझको अमरत्व दान!

(ग) मुझ भाग्यहीन की तू संबल
युग वर्ष बाद जब हुई विकल,
दु:ख ही जीवन की कथा रही,
क्या कहूँ आज जो नहीं कही!
हो इसी कर्म पर वज्रपात
यदि धर्म रहे नत सदा साथ,
इस पथ पर मेरे कार्य सकल
हो भ्रष्टशील के से शतदल!

अथवा

है अमा-निशा; उगलता गगन घन अंधकार;
खो रहा दिशा का ज्ञान; स्तब्ध हैं पवन-चार;
अप्रतिहत गरज रहा पीछे अंबुधि विशाल;
भूधर ज्यों ध्यान-मग्न, केवल जलती मशाल। 3×8=24

(3×10=30)

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) 'श्रद्धा सर्ग' के आधार पर श्रद्धा की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ख) 'कामायनी' के महाकाव्यत्व का विश्लेषण कीजिए।

(ग) 'राम की शक्ति पूजा' कविता महाकाव्यात्मक औदात्त से पूर्ण है, स्पष्ट कीजिए।

(घ) निराला की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ङ) 'परिवर्तन' कविता में निहित संदेश की विवेचना कीजिए।

3×17=51

(3×20=60)

3. निम्नलिखित अतिलघु-उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) कामायनी के प्रथम सर्ग का शीर्षक लिखिए।

(ख) 'इड़ा' का अर्थ लिखिए।

(ग) 'प्रकृति रही दुर्जेय, पराजित हम सब थे भूले मद में'। उपर्युक्त पंक्ति 'कामायनी' के किस सर्ग की है?

(घ) निराला के दो काव्य संग्रहों के नामोल्लेख कीजिए।

(ङ) सुमित्रानंदन पंत के जन्म स्थान का नाम लिखिए। 5×1=5

(5×2=10)